3-5-20

4-5-20

(बादामी गुफाएं)

चालुक्य चित्रकला (650 - 1000)

(1) चालुक्य वंश (6वी से आठवी शती ई०) में पुलकेशिन प्रथम (533-566) एक महत्वपूर्ण शासक था। उसने वातापीपुर (बादामी) को राजधानी बनाया।

(2) वर्तमान में यह स्थान कर्नाटक राज्य बीजापुर जिले में है।

(3) बादामी के समीप आइहोल में गुफाओं का निर्माण कराया। उसके पश्चात उनका पुत्र कीर्तिवर्मा (566-597) शासक बना। किन्तु कीर्तिवर्मा के मरणोपरांत राज्य का उत्तराधिकारी उसका कनिष्ठ भ्राता मंगलेश बन बैठा लेकिन नाबालिग भतीजे पुलकेशिन द्वितीय ने युद्ध में मंगलेश को मार दिया और इस प्रकार अपने उत्तराधिकारी की रक्षा की।

(4) पुलिकेशन द्वितीय का शासन काल 608 से 642 तक रहा।

(5) बादामी गुफा के चित्र मंगलेश या पुलकेशिन द्वितीय के शासनकाल में चित्रित हुए बताते हैं।

(6) बादामी गुफा का बाहरी आवरण अत्यन्त सादा है लेकिन अन्दर की ओर कलात्मक शिल्प व चित्र बिखरे पड़े हैं।

(7) यहाँ एक गुफा में चालुक्यराज मंगलीश्वर

का 578 का एक शिलालेख है इस शिलालेख के आधार पर इस गुफा का समय पत्थे निश्चित किया जाता है। लेकिन चित्रों की रचना शिलालेख के कुछ समय बाद की ही प्रतीत होती है। इसका समय सातवीं शती के प्रथम दशक का माना जा सकता है।

(बादामी-गुफा के चित्र)

(1) शिव-विवाह के कई प्रसंग यहाँ चित्रित हैं।
(2) एक विरहिणी का चित्र भावोत्पन्नता के लिये विशेष प्रसिद्ध है।
(3) इन्द्र सभा में गायन-वादन का एक महत्वपूर्ण चित्र है। यहाँ इन्द्र एक सिंहासन पर बैठे हुए हैं तथा नृत्यांगनाएँ इन्द्र को आसक्त करने का प्रयत्न कर रही हैं।
(4) एक अन्य चित्र में कीर्तिवर्मा को परिचारकों के साथ दिखाया है।
(5) विद्याधरों के उड़ते हुए झुण्डों के दृश्य भी अंकित हैं।

इन चित्रों के अतिरिक्त वन-विहार किन्तु लावण्य से भरपूर दृश्य यहाँ हैं। प्रसिद्ध कलाविद् शिवराममूर्ति ने बादामी चित्रों की प्रशंसा में कहा है—
"बादामी में कुछ ही चित्रावशेष होते हुए भी वे चित्रकार की निपुणता के बहुत ही सुन्दर व लावण्यमय उदाहरण हैं।"

Scanned with CamScanner